ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 08 अक्टूबर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 170

इंदौर के डॉक्टर ने छोटे भाई को थार से कुचलवाया:10 लाख की सुपारी दी; 6 करोड़ की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था



24 न्यूज अपडेट

खरगोन जिले में बड़वाह के बलवाड़ा में हत्या की साजिश रचने के केस में फरार डॉक्टर दीपक शर्मा ने बुधवार को बलवाड़ा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। डॉक्टर पर छोटे भाई की हत्या की साजिश का आरोप है। आरोपी ने पूछताछ के दौरान कबूल किया कि उसने अपने छोटे भाई की हत्या के लिए 10 लाख रुपए की सुपारी दी थी।

आरोपी डॉ. दीपक शर्मा इंदौर के तेजाजी नगर में प्रैक्टिस करता है। उसने पुलिस को बताया है कि वह पेरेंट्स द्वारा पुश्तैनी जमीन छोटे भाई को देने से नाराज था। उसका मकसद 19 बीघा जमीन हड़पना था, जिसकी कीमत 6 करोड़ रुपए है।

जमीन के नामांतरण के बाद उसे अपने छोटे भाई संदीप शर्मा पर शक हुआ, जिसके चलते उसने हत्या की साजिश रची। इसे अंजाम देने की योजना उसने देवास के तनिष रंधावा से बातचीत के बाद बनाई थी, जो उसके पास इलाज के लिए आया था। इसके बाद 29 सितंबर को थार से संदीप को कुचलने की कोशिश की गई।

10 लाख में सौदा, 25 हजार एडवांस दिए थे

डॉ. दीपक शर्मा ने पुलिस को बताया कि सुपारी के तौर पर उसने 25 हजार रुपए एडवांस पेमेंट किया था। 29 सितंबर को उसके साथियों ने एक थार गाड़ी किराए पर ली। संदीप शर्मा का पीछा किया और उसे जान से मारने का प्रयास किया। इस मामले के बाद पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही थी, लेकिन शुरुआती प्रयासों में सफलता नहीं मिली।

मामले की गंभीरता को देखते हुए खरगोन एसपी रविन्द्र वर्मा, एएसपी शकुंतला रुहल, एसडीओपी बड़वाह अर्चना रावत, थाना प्रभारी अनिल कुमार बामनिया, चौकी प्रभारी काटकुट अजय झा और साइबर सेल ने संयुक्त कार्रवाई कर सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

थार, तलवार-चाकू और 17000 कैश बरामद

पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल थार गाड़ी, एक तलवार, चाकू और सुपारी का एडवांस पेमेंट 17 हजार कैश बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में चेतन पंवार, शुभम आर्य, राहुल वर्मा, आदित्य प्रधान, तनिष रंधावा और राहुल राठौड़ शामिल हैं। पुलिस अभी थार गाड़ी के मालिक विकास सिंह निवासी दतेंरा मुरैना की तलाश कर रही है।

29 सितंबर को थार से जोरदार टक्कर मारी थी

29 सितंबर की रात जब डॉ. दीपक का भाई संदीप शर्मा काटकूट स्थित अपनी दुकान से बड़ेल गांव अपने घर लौट रहा था, तभी काले रंग की थार गाड़ी (MP 09 DT 8514) में सवार आरोपियों ने पीछा किया और गुजरातीपुरा मोड़ पर पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

भाई जान बचाकर मक्के के खेत में जा छिपा था

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि संदीप सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरा। इसके बाद आरोपियों ने हथियार निकालकर उसे गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। हालांकि, संदीप किसी तरह नाले से निकलकर पास के मक्के के खेत में छिपने में सफल रहा।

मौके पर अन्य लोगों के पहुंचने पर सभी आरोपी भाग निकले। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को कुंडिया गांव से गिरफ्तार कर लिया था।

आरोपियों के पास से जब्ती

सुपारी की राशि में से 17,000 नकद।

घटना में इस्तेमाल थार गाड़ी (कीमत 15 लाख)।

हथियार (तलवार-चाकू)।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

चेतन पिता शिवाजीराम पंवार, इंदौर

शुभम पिता गबरू आर्य, इंदौर

राहुल पिता नरेंद्र वर्मा, इंदौर

आदित्य पिता संजय प्रधान, इंदौर

तनिष रंधावा, देवास

राहुल राठौड़, बलवाड़ा

सितंबर में वेज थाली की कीमत 10% घटी:नॉनवेज थाली भी 6% सस्ती हुई; आलू-प्याज के दाम घटने से कम हुई कीमत



24 न्यूज अपडेट

भारत में एक घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत सितंबर में (सालाना आधार पर) 10% घटकर 28.17 रुपए हो गई है। पिछले साल सितंबर-2024 में वेज थाली की कीमत 31.30 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी है।

क्रिसिल ने अपनी राइस रोटी रेट (RRR) रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत अगस्त की तुलना में सितंबर में 3% घटी है। अगस्त में वेज थाली की कीमत 29.1 रुपए थी।

नॉन-वेज थाली भी 6% सस्ती हुई

वहीं, नॉन-वेज थाली की कीमत सितंबर में सालाना आधार पर 6% घटकर 56 रुपए हो गई है। पिछले साल सितंबर-2024 में नॉन वेज थाली की कीमत 59.30 रुपए थी।

मंथली बेसिस पर यानी अगस्त की तुलना में सितंबर में नॉन-वेज थाली की कीमत 3% बढ़ी है। मई में नॉन-वेज थाली की कीमत 54.60 रुपए थी।

अटल पेंशन योजना के लिए नया फॉर्म पेश:अब पुराना फॉर्म नहीं चलेगा



24 न्यूज अपडेट

सरकार ने अटल पेंशन योजना के लिए नया सब्सक्राइबर रजिस्ट्रेशन फॉर्म पेश किया है। ये फॉर्म 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी है। अब नए रजिस्ट्रेशन के लिए केवल संशोधित फॉर्म ही स्वीकार किया जाएगा। पुराना फॉर्म 30 सितंबर 2025 के बाद बंद कर दिया गया है।

नए फॉर्म में किए गए बदलाव पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (PFRDA) के दिशा-निर्देशों के अनुसार हैं।

अब FATCA/CRS डिक्लेरेशन अनिवार्य है। इससे पता लग पाएगा कि आवेदक विदेशी नागरिक या टैक्स रेजिडेंट तो नहीं है।

केवल भारतीय निवासी ही पोस्ट ऑफिस के जरिए APY खाता खोल सकते हैं, क्योंकि ये खाते पोस्टल बचत खातों से जुड़े होते हैं।

नया फॉर्म प्रोटियन (NSDL) की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है, ताकि रजिस्ट्रेशन प्रोसेस आसान और पारदर्शी बन सके।

सिंगर जुबीन गर्ग मौत केस: DSP संदीपन गर्ग गिरफ्तार, दावा है कि जहर देकर हादसा दिखाया गया



24 न्यूज अपडेट

गुवाहाटी / सिंगापुर, 9 अक्टूबर। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में असम पुलिस ने बुधवार को DSP संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया है। संदीपन, जुबीन के चचेरे भाई हैं और हादसे के समय वे सिंगापुर में उनके साथ मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, संदीपन से कई दिनों से पूछताछ चल रही थी। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, आपराधिक षड्यंत्र और लापरवाही से मौत का कारण बनने का केस दर्ज किया गया है।

जुबीन गर्ग का निधन 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में हुआ था। वह अगले दिन होने वाले North East India Festival में भाग लेने गए थे और बताया गया कि उनकी मौत स्कूबा डाइविंग के दौरान हुए हादसे में हुई। DSP संदीपन गर्ग की गिरफ्तारी के साथ ही जुबीन की मौत के मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी हुई है। इससे पहले मुख्य आयोजक श्यामकनु महंत, सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और उनके दो बैंड सदस्य शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रभा महंत को गरफ्तार किया जा चुका है।

बैंडमेट का दावा: जहर देकर हादसा छुपाया गया

जुबीन के बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी ने 4 अक्टूबर को दावा किया था कि सिद्धार्थ शर्मा और श्यामकनु महंत ने जुबीन को जहर देकर उनकी मौत को हादसा दिखाया। गोस्वामी ने बताया कि 19 सितंबर को सभी समुद्र में एक याट पर गए थे।

याट को शर्मा ने खतरनाक तरीके से नियंत्रित किया, जिससे सभी की जान खतरे में थी।

जुबीन को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, लेकिन शर्मा ने कहा, "जाबो दे, जाबो दे" (जाने दो)।

जुबीन ट्रेंड स्विमर थे और उन्होंने गोस्वामी और शर्मा को भी तैरना सिखाया था।

गोस्वामी का दावा है कि घटना को साजिश के तहत सिंगापुर में अंजाम दिया गया और वीडियो शेयर करने पर रोक लगाई गई।

पुलिस अब सभी आरोपियों और घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है और संबंधित साक्ष्यों को जुटाने में जुटी है।

जोधपुर जेल में सोनम वांगचुक से पत्नी की मुलाकात, 14 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई





24 न्यूज अपडेट

जोधपुर, 8 अक्टूबर। लद्दाख के जाने-माने पर्यावरणविद् और सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से मंगलवार रात उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो ने जोधपुर सेंट्रल जेल में मुलाकात की। उनके साथ वकील रितम खरे भी मौजूद थे। यह वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद पत्नी से पहली मुलाकात थी। मुलाकात के बाद गीतांजलि अंगमो ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया कि उन्हें डिटेंशन ऑर्डर की कॉपी मिल गई है। उन्होंने लिखा, "आज रितम खरे के साथ वांगचुक से मुलाकात की। हमें डिटेंशन ऑर्डर मिला है, जिसे हम कानूनी रूप से चुनौती देंगे। इस दस्तावेज़ में एनएसए लगाने के सभी कारणों का विवरण है। अब हमारी कानूनी टीम इसे कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रही है।"

लद्दाख से हिरासत में लेकर जोधपुर भेजे गए थे वांगचुक

गौरतलब है कि 24 सितंबर को लद्दाख में छठी अनुसूची और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी। हिंसा के दो दिन बाद प्रशासन ने सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत हिरासत में ले लिया था। प्रशासन का आरोप है कि वांगचुक ने युवाओं को भड़काने और विवादित बयान देने का काम किया, जिससे कानून-व्यवस्था बिगड़ी। गिरफ्तारी के बाद उन्हें लेह से जोधपुर सेंट्रल जेल स्थानांतरित किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में रिहाई की याचिका पर 14 अक्टूबर को सुनवाई

गीतांजलि अंगमो ने 2 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपने पति की तत्काल रिहाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि वांगचुक की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रेरित है और इससे उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। वांगचुक की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि परिवार को गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया गया और पत्नी को मुलाकात की अनुमति भी नहीं दी गई। इस पर जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की पीठ ने केंद्र सरकार, लद्दाख प्रशासन और जोधपुर सेंट्रल जेल प्रशासन को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने निर्देश दिया कि हिरासत आदेश की प्रति पत्नी को दी जाए और वांगचुक को उचित मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई जाए। अगली सुनवाई 14 अक्टूबर 2025 को तय की गई है।

पत्नी का विरोध जारी, कई मंचों पर उठा चुकीं आवाज

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद से गीतांजलि लगातार उनकी रिहाई के लिए प्रयासरत हैं।

1 अक्टूबर को उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर लद्दाख के लोगों की भावनाओं को समझने की अपील की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह को भी यह पत्र भेजा। 2 अक्टूबर को X पर उन्होंने लिखा, "क्या भारत सचमुच आजाद है? आज कुछ अफसर हजारों लद्दाखियों पर अत्याचार कर रहे हैं।" 28 सितंबर को उन्होंने कहा था कि वांगचुक ने हमेशा गांधीवादी तरीके से आंदोलन किया है और 24 सितंबर की हिंसा के लिए CRPF जिम्मेदार है।

सेंसेक्स 153 अंक गिरकर 81,773 के स्तर पर बंद:निफ्टी में भी 62 अंक की गिरावट रही; ऑटो, मीडिया और रियल्टी शेयर्स टूटे



24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन आज यानी 8 अक्टूबर को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 153 अंक गिरकर 81,773 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 62 अंक की गिरावट रही, ये 25,046 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में गिरावट और 9 में तेजी है।

टाइटन का शेयर 4% से ज्यादा चढ़ा है। इंफोसिस, TCS, HCL टेक और टेक महिंद्रा में भी 2% तक की तेजी रही। टाटा मोटर्स, M&M और जियो फाइनेंस के शेयर्स गिरे हैं। निफ्टी के 50 में से 36 शेयर्स में गिरावट रही। NSE के ऑटो, मीडिया, बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर में गिरावट रही। अकेला IT इंडेक्स ऊपर रहा।

संपादकीय : कानून के घर में

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन लोगों से संविधान और कानून की रथा, उसकी मजबूती के लिए काम करने की उम्मीद की जाती है, वहीं अपनी कुंठाओं प्रदर्शन करते हुए सारे नियम-कायदे ताक पर रख दें। सर्वोच्च न्यायालय में सोमवार को प्रधान न्यायाधीश के साथ एक वकील ने जो किया, उससे यह तीखा सवाल उठा है कि ऊंची पढ़ाई-लिखाई करके वकालत का पेशा चुनने वाला एक व्यक्ति कैसे अपने दुराग्रहों की वजह से कानून और न्याय प्रक्रिया को अपमानित कर सकता है। गौरतलब है कि एक वकील ने कार्यवाही के बीच में ही प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर सिर्फ इसलिए जूता उछालने की कोशिश की कि उसके दिमाग पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई कोई बात हावी हो गई थी। सरकार की ओर से हर स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था एक मुद्दा दिखने के बावजूद अदालत के भीतर इसका ढांचा कैसा था कि एक व्यक्ति अपनी मनमानी को लेकर बेखौफ था। गनीमत बस यह रही कि आरोपी की हरकत सीमित थी, वरना वहां कुछ भी हो सकता था । सवाल है कि जिस व्यक्ति के भीतर विवेक इस कदर अनुपस्थित हो गया हो कि वह अदालत में ही प्रधान न्यायाधीश के प्रति आक्रामक हो गया, वह इससे ज्यादा हिंसक नहीं होगा, इस बात की क्या गारंटी है। इस मसले पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई बातों के असर में इस तरह बेलगाम और आक्रामक होना इस बात का भी सूचक है कि ऐसे व्यक्ति का विवेक सामान्य तरीके से काम नहीं कर पा रहा है और वह कानून के तंत्र एवं शासन के बजाय हिंसा का रास्ता अख्तियार करना ज्यादा सही मानता है। शायद यही वजह है कि प्रधान न्यायाधीश ने भले ही उदारता दिखाते हुए आरोपी व्यक्ति के प्रति नरमी बरती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल ने आरोपी वकील का लाइसेंस जब्त कर उसे निलंबित कर दिया। मगर इस घटना की गंभीरता को समझते हुए ही खुद प्रधानमंत्री सहित अन्य कई बड़े नेताओं ने इसे निंदनीय बताया और चिंता जाहिर की। हैरानी की बात है कि आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। दरअसल, सोशल मीडिया पर प्रधान न्यायाधीश के एक बयान की मनमानी व्याख्या करके उसे फैलाया गया और उसके प्रभाव में आए लोगों ने इस पर सोचने-समझने या विवेक का उपयोग करने की जरूरत नहीं समझी। आरोपी वकील ने जिस सनातन के कथित अपमान की बात की, क्या वह उसे आक्रामकता और हिंसा का सहारा लेने का संदेश देता है? इस समूचे मामले में सोशल मीडिया की जैसी भूमिका सामने आई, वह भी बेहद चिंताजनक और बहसतलब है। विवाद के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा था कि उनकी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, लेकिन अफसोसनाक है कि उसी मनमानी से प्रभावित होकर कुछ लोगों ने उनके खिलाफ धारणा बना ली। आजकल सोशल मीडिया पर जिस तरह बिना कुछ सोचे-समझे किसी बात की गलत व्याख्या करने और उसके जरिए व्यापक स्तर पर धारणा बनाने का चलन देखा जा रहा है, उसके घातक नतीजे सामने आ रहे हैं। एक ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जिसमें विचार, बहस और विवेक के उपयोग की जगह सिमटती जा रही है और आक्रामकता तथा हिंसक मनोवृत्ति का उभार देखा जा रहा है। यह स्थिति देश के लोकतंत्र और कानून के लिहाज से बेहद चिंताजनक है।

संवेदनहीनता की हद

उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक दलित व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर देने की घटना भयावह और मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली है। इस पूरे प्रकरण में जिस तरह की मानसिकता सामने आई है, उसे किसी भी सभ्य समाज में संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा। भले ही इस मामले में मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन सरकार के सामाजिक समानता के दावों और राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दावा किया जा रहा है कि घटना के वक्त कुछ पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि पुलिस की मौजूदगी में इस वारदात को कैसे अंजाम दिया गया ? क्या वजह रही कि आरोपियों को पुलिस और कानून का जरा भी खौफ नहीं रहा ? क्या अपराध पर काबू पाने के सरकारी दावों की हकीकत यही है? पुलिस के मुताबिक, जिस व्यक्ति की बर्बर तरीके से हत्या की गई, वह घटना वली रात अपनी पत्नी और बेटी से मिलने के लिए पैदल ससुराल जा रहा था। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने उसे चोर समझ कर पकड़ लिया। जब वह लोगों के सवालों का जवाब ठीक से नहीं दे पाया तो बर्बरता से पिटाई करने के बाद उसे रेलवे स्टेशन तक घसीटकर ले जाया गया और गंभीर हालत में वहीं छोड़ दिया गया, जिस कारण उसकी मौत हो गई। ऐसे में सवाल है कि अगर स्थानीय लोगों को उस व्यक्ति पर कोई संदेह था, तो उसे पकड़कर पुलिस के हवाले क्यों नहीं किया गया ? कानून अपने हाथ में लेकर ऐसी बर्बरता करने का अधिकार उन्हें किसने दिया ? और अगर पुलिसकर्मी घटनास्थल पर मौजूद थे, तो वे मूकदर्शक बनकर क्यों खड़े रहे ? यह घटना राज्य सरकार के उस दावे को भी झुठलाती नजर आती है कि प्रदेश में अब कानून का राज है । इस राज में समाज के दमित-वंचित तबके के लोगों की क्या जगह है ? संविधान और कानून हर नागरिक की सुरक्षा, उसके अधिकार और अभिव्यक्ति को समान दर्जा देता है। इसलिए जरूरी है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

विरोध के बावजूद मेला निगम प्रांगण में, किस 'हाथी' के दबाव में लिया फैसला? एलिवेटेड के काम से रोज़ जाम, फिर भी आयुक्त ने क्यों दी मंजूरी? हादसा हुआ तो जिम्मेदार कौन?



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। शहर में एलिवेटेड रोड का काम महीनों से चल रहा है और नगर निगम के बाहर रोज़ाना घंटों तक ट्रैफिक जाम लगता है। बावजूद इसके, नगर निगम ने इस बार भी दीपावली मेले का आयोजन अपने ही परिसर में करने का फैसला कर दिया है। आमजन और व्यापारिक संगठनों के विरोध के बावजूद निगम प्रशासन के इस निर्णय ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर किसके दबाव में यह जिद्दी फैसला लिया गया? जानकारी में तो यही आया था कि यातायात विभाग सहित अन्य विभागों ने भी आपत्ति जताई थी मगर उनका क्या हुआ। किसके कहने पर आपत्तियां कूड़ेदान में डाल दी गईं। क्या नगर निगम अब पूरी तरह से कुछ नेताओं की कठपुतली बन चुका है जो जनता के लिए नहीं केवल उनके पर्सनल और पॉलिटिकल हितों के लिए काम करता है। ये लोग तनख्वाह तो जनता के टेक्स के पैसों से लेते हैं मगर लगता है हाजिरी और जी हुजूरी कहीं और करते हैं। आपको बता दें कि व्यापार मंडल प्रतिनिधियों ने बताया कि उन्होंने दो बार कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त से मुलाकात कर वैकल्पिक स्थल सुझाए थे। मगर हुआ उल्टा कृ "हम मिले इधर, उधर मेला टेंडर हो गया।" मंडलों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने हर बार सिर्फ 'आश्वासन' दिया, अमल नहीं किया।

किसी की खुशी के लिए जाम के बीच उत्सव मनाएंगे??

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि दीपावली मेला 9 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक चलेगा। मेले में दुकाने और झूले लगेंगे, जबकि 11 से 16 अक्टूबर तक सांस्कृतिक संध्याएं होंगी। कार्यक्रमों में सचेत परंपरा, लखबीर सिंह लक्खा, स्वाति मिश्रा और इंडियन ओशन बैंड जैसे कलाकार प्रस्तुति देंगे। निगम को दुकानों और झूलों से लगभग 1.86 करोड़ की आय होने का अनुमान है। लेकिन शहर के संवेदनशील नागरिकों का कहना है कि "जहां रोज़ एंबुलेंस तक फंस जाती है, वहां हजारों की भीड़ बुलाना सीधे-सीधे खतरे को न्योता देना है।"

'अगर अनहोनी हुई तो जिम्मेदार कौन?'

अगर मेला स्थल पर भीड़ या ट्रैफिक के कारण कोई दुर्घटना होती है तो जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी या नहीं। लोगों ने "अविवेकपूर्ण निर्णय" बताते हुए कहा कि निगम ने सुरक्षा, सुविधा और यातायात की स्थिति को नजरअंदाज कर केवल औपचारिक सजावट और छवि चमकाने की पीआर एक्सरसाइज पर ध्यान दिया जा रहा है। आपको बता दें कि अभी हालात विकट हैं। निगम परिसर में आगे काम चल रहा है तो बगल में जो रास्ता है उसमें शक्तिनगर वाला बोटल नेक है। अभी बापू बाजार में जमकर ट्रैफिक है। मेले में शक्तिनगर वाले बाइपास पर पार्किंग होगी तो यह जाम हो जाएगा व बापू बाजार की केपेसिटी इतनी नहीं रहेगी कि वह पूरा यातायात का दबाव झेल जाए। वहां का व्यापार केवल इस वजह से ठप हो जाना तय है। शक्तिनगर व्यापार बाजार पर भी असर आएगा। मगर जिद तो जिद है। शायद आयड़ वाली जिद यहां भी काम कर रही है।

फिर वही सवाल- जनता से ऊपर कौन?

निगम के इस फैसले ने यह बहस छेड़ दी है कि आखिर नगर निगम जनता की सुविधा के लिए है या खुद के आयोजन के लिए? जब शहर का मुख्य मार्ग पहले से ही एलिवेटेड रोड निर्माण के कारण ठप पड़ा है, तब उसी जगह मेला लगाने की क्या मजबूरी थी? क्या यह निर्णय किसी राजनीतिक दबाव में लिया गया?

गोगुंदा में खूनी चढ़ोतरा: मौताणे को लेकर दो पक्षों में भिड़ंत, चार मकानों में आग, गांव में फैला तनाव



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर जिले के गोगुंदा उपखंड के बेकरिया थाना क्षेत्र के जांबुआ खुना गांव में मंगलवार देर रात मौताणे की मांग को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक संघर्ष हो गया। जानकारी के अनुसार, करीब 30 से 40 हथियारबंद लोगों ने गांव पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने चार केलूपोश मकानों को आग के हवाले कर दिया और अंदर रखे घरेलू सामान, अनाज व अन्य वस्तुओं को नष्ट कर दिया। देखते ही देखते मकान पूरी तरह जलकर राख हो गए। हमले के दौरान ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग अपनी जान बचाने के लिए घर छोड़कर जंगलों की ओर भाग निकले। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने दिनेश गरासिया और सोमा गरासिया पर फायरिंग भी की, लेकिन दोनों किसी तरह बच निकले। घटना के पीछे भूरी बाई की संदिग्ध मौत को लेकर चल रहे विवाद को कारण बताया जा रहा है। मृतका के पीहर पक्ष के लोगों ने ही कथित रूप से इस हमले को अंजाम दिया। सूचना मिलते ही बेकरिया थानाधिकारी उत्तम सिंह मेड़तिया मय जाब्ता मौके पर पहुंचे, लेकिन पुलिस पहुंचने से पहले सभी आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने गांव में पहुंचकर हालात पर काबू पाया और राहत कार्य शुरू किए। फिलहाल इलाके में भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है और आरोपियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घटना से पूरे क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस अधिकारियों ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

भीलवाड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: मिनी कंटेनर से 224 किलो डोडा चूरा पाउडर बरामद, एक गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा, 8 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए भीलवाड़ा में बड़ी कार्रवाई की है। मंगरोप थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक मिनी कंटेनर से 224 किलो डोडा चूरा पाउडर बरामद किया। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन को जब्त कर लिया है। थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि मंगलवार देर रात मंडफिया चौकी के सामने नाकाबंदी के दौरान एमपी की ओर से आ रहे एक मिनी कंटेनर को रोका गया। तलाशी के दौरान कंटेनर में रखे 12 कट्टों में अफीम डोडा चूरा पाउडर मिला। थाने लाकर जब वजन किया गया तो मात्रा 224 किलोग्राम निकली।

हिमाचल का ड्राइवर गिरफ्तार

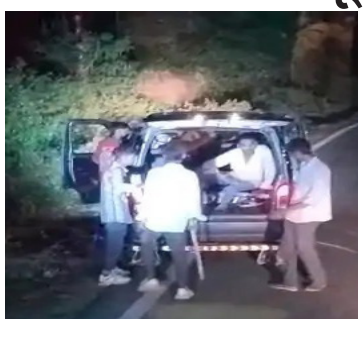
पुलिस ने मौके से कंटेनर चालक श्यामलाल पुत्र गणपत राजपूत, निवासी सोलन (हिमाचल प्रदेश) को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कंटेनर को जब्त कर लिया गया है।

नीमच से पंजाब ले जा रहा था माल

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मध्य प्रदेश के नीमच से यह मादक पदार्थ लेकर आया था और इसे पंजाब में सप्लाई किया जाना था। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल हैं और माल की डिलीवरी कहां होनी थी।

भीलवाड़ा पुलिस ने हाल ही में नशे के खिलाफ कई अभियान चलाए हैं। इस कार्रवाई को उसी क्रम में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

डूंगरपुर में फिल्मी अंदाज़ में डकैती का प्रयास, यात्रियों की सूझबूझ से टली बड़ी वारदात



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर, 8 अक्टूबर। डूंगरपुर जिले में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आए। दोवड़ा थाना क्षेत्र के पुनाली घाटा मार्ग पर मंगलवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में एक ट्रेवल्स बस को रोककर यात्रियों से लूटपाट का प्रयास किया। हालांकि, यात्रियों की सूझबूझ और हिम्मत से बड़ी वारदात टल गई। जानकारी के अनुसार, बस चालक देवकुमार मीणा रोजाना डूंगरपुर से इंदौर के बीच ट्रेवल्स बस चलाते हैं। मंगलवार शाम बस नियमानुसार डूंगरपुर से इंदौर के लिए रवाना हुई थी। रात के करीब 11 बजे जब बस पुनाली घाटा क्षेत्र में पहुंची, तभी एक इको कार में सवार 7 से 8 हथियारबंद बदमाशों ने तेज रफ्तार में बस को ओवरटेक कर आगे रोक लिया। बस रुकते ही बदमाश लाठियां और तलवारें लेकर बाहर निकले और यात्रियों को डराने लगे। इसी दौरान चालक ने तुरंत केबिन की लाइट जला दी और यात्रियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। यात्रियों के प्रतिरोध और हंगामे से घबराकर बदमाश मौके से अपनी कार में सवार होकर भाग निकले। बस चालक ने बताया कि बदमाशों का इरादा लूटपाट का था, लेकिन यात्रियों की मौजूदगी और उनके विरोध के कारण योजना असफल हो गई। घटना के बाद चालक ने तुरंत बस मालिक और दोवड़ा थाना पुलिस को सूचना दी। देवकुमार मीणा ने बताया कि उसने बदमाशों की कार और संदिग्धों का वीडियो रिकॉर्ड किया है, जिसे पुलिस को सौंप दिया गया है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में सघन सर्च अभियान शुरू कर दिया है।

बंशीलाल मेनारिया बने मेनारिया समाज ग्राम सभा पानेरियों की मादड़ी के अध्यक्ष



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मेनारिया समाज ग्राम सभा पानेरियों की मादड़ी की आम बैठक बुधवार को आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ सदस्य परसराम सखावत ने की। बैठक में ग्राम सभा की कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों और समाज के सदस्यों की सर्वसम्मति से बंशीलाल नाथावत को ग्राम सभा का नया अध्यक्ष चुना गया।

समाज के प्रवक्ता कैलाश मेनारिया ने बताया कि बैठक में मंदिर निर्माण का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाज के विकास और एकता को मजबूत करने के लिए यह निर्णय ऐतिहासिक है।

बैठक का संचालन बनलाल कोलावत ने किया। इस अवसर पर ग्राम सभा के महामंत्री किशनलाल नेतावत, कोषाध्यक्ष कैलाश सखावत, सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन और युवा सदस्य उपस्थित रहे।

जैन सोशल ग्रुप संस्कार के 42 सदस्यों की वियतनाम यात्रा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। जैन सोशल ग्रुप संस्कार उदयपुर के सदस्यों ने संस्थापक अध्यक्ष प्रकाशचन्द्र कोठारी और अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन के नेतृत्व में 42 सदस्यों के दल के साथ वियतनाम की यादगार यात्रा की। यह ग्रुप की दूसरी अंतरराष्ट्रीय यात्रा रही। यात्रा का शुभारंभ सदस्यों ने केसरिया जी के दर्शन और भक्ति से किया। इसके बाद सभी अहमदाबाद पहुंचकर आचार्य महाश्रमण जी से मांगलिक लेकर वियतनाम के लिए रवाना हुए।

सचिव जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि यात्रा के पहले तीन दिन सदस्यों ने प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर फुआन शहर में बिताए, जहां उन्होंने समुद्री तटों, फिश एक्वेरियम, विन पर्ल सफारी, बर्ड शो और विन वंडर जैसी आकर्षक जगहों का आनंद लिया।

इसके बाद दल दानांग और होईएन पहुँचा, जहाँ मार्बल माउंटेन, कोकोनट बोटिंग और लालटेन बोटिंग जैसे अद्भुत अनुभवों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाना हिल्स के लव गार्डन और प्रसिद्ध गोल्डन ब्रिज की भव्यता ने यात्रा को और भी खास बना दिया।

सह सचिव राजेश सामर ने बताया कि वियतनाम की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर का मेल इस यात्रा का मुख्य आकर्षण रहा। सदस्यों ने बताया कि विदेश में रहते हुए भी उन्हें भारतीय लजीज व्यंजनों का स्वाद मिला, जिससे यात्रा और भी सुखद बन गई। ट्रैवल कार्ट के नन्दन जैन ने बताया कि दल का अगला पड़ाव वियतनाम की राजधानी हनोई होगा, जहाँ सदस्य विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करेंगे।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

बीएपी सांसद राजकुमार रोत को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी, लाइव स्ट्रीमिंग में आरोपी ने 1 करोड़ रुपए इनाम का ऐलान किया



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा/डूंगरपुर, 8 अक्टूबर। बांसवाड़ा-डूंगरपुर से बीएपी सांसद राजकुमार रोत को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले यूजर चंद्रवीर सिंह ने लिखा कि जो कोई सांसद को गोली मारे, उसे 1 करोड़ रुपए इनाम दिया जाएगा। सांसद रोत मंगलवार को उदयपुर में आदिवासियों के मुद्दे को लेकर प्रेसवार्ता कर रहे थे। उनकी यह प्रेसवार्ता सोशल मीडिया पर लाइव भी चल रही थी। इस दौरान चंद्रवीर सिंह नामक व्यक्ति ने कमेंट कर धमकी दी और आरोप लगाया कि सांसद ईसाई हैं और सर्व समाज में माहौल खराब कर रहे हैं। यूजर ने लिखा कि "जो कोई आदमी इसे गोली मारे मैं उसे 1 करोड़ रुपए दूंगा। इसे गोली मारना बहुत जरूरी है।"

विरोध में हुई प्रेसवार्ता

सांसद रोत ने यह प्रेसवार्ता उदयपुर जिले की नाई थाना पुलिस द्वारा 5 निर्दोष आदिवासियों को मर्डर केस में फंसाने और उनके साथ जमीन हड़पने के आरोप के विरोध में की थी। उन्होंने स्थानीय प्रशासन पर भ्रष्टाचार और पक्षपात के गंभीर आरोप लगाए थे।

प्रशासन को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग

सोशल मीडिया पर मिली धमकी के बाद सांसद रोत ने डीजीपी और आईजी को लेटर लिखकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि "धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी अब शासन और प्रशासन की है। यह भी पता किया जाए कि इसके पीछे किनका हाथ है।" पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सांसद रोत की सुरक्षा बढ़ाने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संबंधित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन सक्रिय हो गया है।

एक मुश्त ऋण समाधान योजना :ब्याज में छूट की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढाई



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लि. द्वारा संचालित एनएसएफडीसी, एनएसकेएफडीसी, एनएसटी एफडीसी, एनडीएफसी एवं एनबीसीएफडीसी योजना में ऋण प्राप्त आशार्थियों को बकाया ऋण चुकाने में राहत हेतु राज्य सरकार द्वारा एकमुश्त समाधान योजना 2025-26 की घोषणा की गई है। अनुजा निगम के सहायक परियोजना प्रबंधक ने बताया कि उक्त योजना में पूर्व वर्षों में वितरित किये गये ऋणियों में बकाया चल रही ऋण वसूली राशि में 30 सितम्बर तक साधारण ब्याज एवं दण्डनीय ब्याज राशि में शत-प्रतिशत छूट प्रदान की गई थी, जिसे बढाकर 31 अक्टूबर तक कर दी गई है। जिन ऋणियों द्वारा अब तक एकमुश्त समाधान योजना का लाभ नहीं लिया है वह अपना मूलधन ऋण राशि जमा करवाकर एक मुश्त समाधान योजना में साधारण ब्याज एवं दण्डनीय ब्याज में छूट का लाभ ले सकते है। अनुजा निगम द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग, सफाईकर्मी एवं अन्य पिछडा वर्ग के जिन व्यक्तियों द्वारा स्वरोजगार हेतु ऋण लिया गया है एवं जिनके द्वारा समय पर ऋण की किश्ते जमा नहीं करवाई गई है। जिसके कारण उन पर साधारण ब्याज के साथ-साथ पेनल्टी ब्याज लग रहा है। ऐसे आशार्थी अंतिम 31 अक्टूबर तक बकाया मूलधन राशि जमा करवाकर शत-प्रतिशत साधारण ब्याज एवं पेनल्टी ब्याज में छूट का लाभ प्राप्त कर सकते है।

अंता से कांग्रेस ने प्रमोद जैन भाया को उम्मीदवार बनाया



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 8 अक्टूबर। बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। भाया साल 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के कंवरलाल मीणा से पराजित हुए थे। अब पार्टी ने उन्हें दोबारा मैदान में उतारकर सीट पर पुनः कब्जा करने की रणनीति बनाई है। कांग्रेस ने प्रत्याशी का नाम घोषित कर भाजपा से एक कदम आगे बढ़ते हुए चुनावी मैदान में रणनीतिक बढ़त हासिल करने की कोशिश की है।

बीजेपी की तैयारी तेज

कांग्रेस की घोषणा के बाद अब भाजपा भी अपने प्रत्याशी की घोषणा की तैयारी में जुट गई है। पार्टी ने अंता उपचुनाव के लिए सांसद दामोदर अग्रवाल को प्रभारी नियुक्त किया है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा जल्द ही टिकट की रायशुमारी के लिए कोर कमेटी की बैठक बुलाएगी, जिसके बाद रिपोर्ट केंद्रीय चुनाव समिति (CEC) को भेजी जाएगी और वहीं से प्रत्याशी के नाम पर अंतिम मुहर लगेगी।

अंता सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले के आसार अंता सीट पर इस बार मुकाबला त्रिकोणीय होने के संकेत हैं।

नरेश मीणा पहले ही निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं। ऐसे में मुकाबला कांग्रेस, भाजपा और निर्दलीय उम्मीदवार के बीच दिलचस्प होने जा रहा है।

भाजपा में दावेदारों की लंबी सूची

भाजपा में पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। इसके अलावा पार्टी कंवरलाल मीणा के परिवार से भी किसी सदस्य को टिकट देने पर विचार कर रही है। वहीं पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद गर्ग और नंदलाल सुमन ने भी खुलकर टिकट की दावेदारी जताई है। पार्टी कार्यकर्ताओं का एक वर्ग बाहरी उम्मीदवार का विरोध कर स्थानीय उम्मीदवार के पक्ष में माहौल बना रहा है।

एसआई भर्ती-2021 मामले में हाईकोर्ट में फाइनल सुनवाई 24 नवंबर से शुरू होगी, डिवीजन बैंच ने सुनवाई की तारीख तय की



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 8 अक्टूबर। सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2021 को रद्द करने के एकलपीठ के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर राजस्थान हाईकोर्ट की डिवीजन बैंच 24 नवंबर से फाइनल सुनवाई शुरू करेगी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा की खंडपीठ ने आज मामले में सुनवाई की तारीख तय की और सभी पक्षकारों को लिखित बहस प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मूल याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया, जिसमें उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरपीएससी के पूर्व सदस्यों और दलालों के खिलाफ पेश चार्जशीट को रिकॉर्ड में लिया जाए। उन्होंने बताया कि यह चार्जशीट एकलपीठ की सुनवाई के दौरान रिकॉर्ड पर नहीं थी। अदालत ने प्रार्थना पत्र की कॉपी महाधिवक्ता को देने के निर्देश दिए और कहा कि फाइनल सुनवाई के समय इसे तय किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

एसआई भर्ती पेपरलीक मामले में हाईकोर्ट की एकलपीठ ने 28 अगस्त 2025 को भर्ती रद्द करने का फैसला दिया था। इसके खिलाफ ट्रेनी एसआई की अपील पर डिवीजन बैंच ने 8 सितंबर 2025 को एकलपीठ के फैसले पर रोक लगा दी थी और ट्रेनी एसआई को फील्ड ट्रेनिंग की अनुमति दी थी। मूल याचिकाकर्ता ने इसके बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने डिवीजन बैंच के फैसले पर रोक लगाते हुए यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए और हाईकोर्ट से कहा कि वह अपील पर तीन माह के भीतर सुनवाई पूरी करे।

हाईकोर्ट से राहतः मां की मौत से एक दिन पहले गोद लिया गया बेटा पाएगा अनुकंपा नियुक्ति



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर खंडपीठ ने एक भावनात्मक मामले में अहम फैसला सुनाते हुए बीकानेर निवासी मुकेश सुथार को राहत दी है। कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील खारिज करते हुए कहा कि मां की मृत्यु से एक दिन पहले गोद लिया गया बेटा अनुकंपा नियुक्ति का अधिकारी है। मामला 29 जून 2009 का है, जब मुकेश को धन्नाराम और उनकी पत्नी ने गोद लिया था। अगले ही दिन उसकी दत्तक मां का निधन हो गया। दत्तक पिता धन्नाराम पीएचईडी विभाग में कर्मचारी थे। मां की मृत्यु के बाद मुकेश ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, जिसे सरकार ने गोदनामे की वैधता पर सवाल उठाते हुए अस्वीकार कर दिया। एकलपीठ ने मई 2023 में मुकेश को वैध दत्तक पुत्र मानते हुए नियुक्ति के आदेश दिए थे। सरकार ने यह आदेश चुनौती दी, मगर जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस बिपिन गुप्ता की खंडपीठ ने अपील खारिज करते हुए कहा कि बीकानेर की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट पहले ही दत्तक ग्रहण को वैध ठहरा चुकी है। कोर्ट ने कहा कि सभी दस्तावेजों में मुकेश के पिता का नाम धन्नाराम दर्ज है, इसलिए वह राजस्थान मृतक सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों की अनुकंपा नियुक्ति नियम-1996 के तहत नियुक्ति पाने का अधिकारी है।

त्यौहारों के लिए जोधपुर-पटना-जोधपुर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। रेलवे द्वारा आगामी त्यौहारों पर यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियो की सुविधा हेतु जोधपुर-पटना-जोधपुर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 04831, जोधपुर-पटना साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 11.10.25 से 01.11.25 तक (04) ट्रिप जोधपुर से प्रत्येक शनिवार को 16.05 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर 21.30 बजे आगमन व 21.40 बजे प्रस्थान कर रविवार को 16.15 बजे पटना पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 04832, पटना-जोधपुर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 12.10.25 से 02.11.25 तक (04 ट्रिप) पटना से प्रत्येक रविवार को 17.45 बजे रवाना होकर सोमवार को जयपुर स्टेशन पर 19.15 बजे आगमन व 19.25 बजे प्रस्थान कर मंगलवार को 01.00 बजे जोधपुर सिटी पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में गोटन, मेडता रोड, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह, टूण्डला, इटावा, गोविन्दपुरी, प्रयागराज, मिर्जापुर, प. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरां व दानापुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

इस रेलसेवा में 16 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी, 02 गार्ड डिब्बो सहित कुल 22 डिब्बे होगे।

अंकुर धामा ने कानोड़ ब्लॉक व परिंडा अभियान की सराहना की



24 न्यूज अपडेट

कानोड़, 8 अक्टूबर। दिल्ली में चल रहे पैरा ओलंपिक खिलाड़ी प्रवीण कुमार (ध्यान चंद खेल रत्न) और अर्जुन धामा (अर्जुन खेल रत्न) ने कानोड़ ब्लॉक की पहल और परींडा अभियान की सराहना की। इस मौके पर दिव्यांग और जरूरतमंदों की सहायता के लिए काम करने वाले डा. निलेश राज और चतुर स्कूल के व्याख्याता निर्मल पुरोहित ने दोनों खिलाड़ियों से भेंट की। निर्मल पुरोहित ने कानोड़ ब्लॉक द्वारा ऐतिहासिक विरासत को डिजिटल माध्यम से घर-घर पहुंचाने के प्रयास और गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए दीपक शर्मा द्वारा परींडा अभियान पर चर्चा की। प्रवीण कुमार और अर्जुन धामा ने इन पहलों को श्रेष्ठ और सराहनीय बताते हुए कहा कि आज के भागदौड़ भरे युग में बेजुबान पक्षियों के लिए कार्य करना बहुत ही संवेदनशील और प्रेरक पहल है। साथ ही, व्याख्याता निर्मल पुरोहित द्वारा शिक्षा से वंचित बच्चों को स्कॉलरशिप उपलब्ध कराने के सतत प्रयासों की भी दोनों खिलाड़ियों ने सराहना की और इसे श्रेष्ठतम प्रयास बताया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब Gmail नहीं, स्वदेशी Zoho Mail का करेंगे उपयोग



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। केंद्र सरकार के डिजिटल स्वदेशीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विदेशी ईमेल सेवा Gmail छोड़कर भारतीय प्लेटफॉर्म Zoho Mail पर शिफ्ट किया है। शाह ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी और बताया कि उन्होंने नया ईमेल एड्रेस — amitshah.bjp@zohomail.in - बना लिया है।

अमित शाह ने अपने पोस्ट में लिखा

"मैंने Zoho Mail पर स्विच कर लिया है। कृपया मेरे ईमेल एड्रेस में हुए बदलाव पर ध्यान दें। भविष्य में मेल द्वारा पत्राचार के लिए कृपया इसी ईमेल एड्रेस का उपयोग करें।"

Gmail और Outlook का भारतीय विकल्प है Zoho Mail Zoho Mail पूरी तरह से भारतीय कंपनी Zoho कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित किया गया ईमेल क्लाइंट है। यह एड-फ्री प्लेटफॉर्म है जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों तरह के यूजर्स को सेवाएं प्रदान करता है। कंपनी का दावा है कि इसमें एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन की सुविधा होने से यूजर्स का डेटा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और किसी भी जानकारी को विज्ञापनदाताओं के साथ साझा नहीं किया जाता। इस प्लेटफॉर्म पर यूजर्स को व्यक्तिगत, व्यावसायिक और प्रमोशनल ईमेल्स के लिए अलग-अलग टैब्स, साथ ही कैलेंडर, नोट्स और कॉन्टैक्ट्स जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

सरकार भी दे रही बढ़ावा 3 अक्टूबर को शिक्षा मंत्रालय ने सभी सरकारी विभागों और दफ्तरों को अपने दस्तावेजी कार्यों के लिए Zoho Office Suite का उपयोग करने का निर्देश दिया था। अब गृह मंत्री के इस कदम के बाद यह माना जा रहा है कि केंद्र सरकार स्वदेशी डिजिटल उत्पादों के उपयोग को संस्थागत स्तर पर भी बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। Zoho Corporation की स्थापना वर्ष 1996 में कंपनी के फाउंडर श्रीधर वेंबु, उनके भाइयों और मित्र टोनी थॉमस ने मिलकर AdventNet नाम से की थी। यह कंपनी शुरू में नेटवर्क सॉल्यूशन प्रोवाइड करती थी। वर्ष 2009 में इसका नाम बदलकर Zoho Corporation कर दिया गया और कंपनी ने क्लाउड-आधारित SaaS (Software as a Service) मॉडल पर काम शुरू किया। आज Zoho Corporation भारत की अग्रणी सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट कंपनियों में से एक है। इसके 50 से अधिक क्लाउड-आधारित सॉफ्टवेयर 180 से ज्यादा देशों में उपयोग किए जा रहे हैं। कंपनी का कहना है कि इसके 1 करोड़ से अधिक सक्रिय यूजर्स हैं और यह पूरी तरह बूटस्ट्रैप्ड (बिना बाहरी निवेश) कंपनी है।

वॉट्सएप का विकल्प 'Arattai' भी बनाया Zoho ने हाल ही में अपना मैसेजिंग ऐप Arattai लॉन्च किया है, जिसे वॉट्सएप के भारतीय विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। Arattai शब्द तमिल भाषा का है, जिसका अर्थ 'बातचीत' होता है। इस एप में ऑडियो-वीडियो कॉल, कोट फीचर, और चैटिंग के आधुनिक टूल्स मौजूद हैं। कंपनी के फाउंडर श्रीधर वेंबु लंबे समय से स्वदेशी तकनीक के विकास और भारतीय डिजिटल आत्मनिर्भरता के समर्थक रहे हैं। उनका कहना है कि "भारत को अपनी डेटा प्राइवेसी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर स्वयं का नियंत्रण रखना चाहिए।"

जयपुर सेंट्रल जेल में नशीली दवाओं की सप्लाई का खुलासा, नर्सिंग ऑफिसर गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 8 अक्टूबर। जयपुर सेंट्रल जेल में नशीली दवाओं की सप्लाई करने वाले गिरोह का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने जेल के नर्सिंग ऑफिसर और एक कैदी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नर्सिंग ऑफिसर राजकुमार (35) ग्रेड सेकंड अधिकारी है, जबकि जेल में बंद कैदी का नाम गोगराज गढ़वाल है। दरअसल, 24 सितंबर को भांकरोटा थाना पुलिस ने नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में तीन बदमाशों — अभिराज सिंह, संपत सिंह और अंकुश अग्रवाल — को गिरफ्तार किया था। इनके पास से एक कार्टन बरामद हुआ था, जिसमें 86 पैकेटों में भरे 37 हजार से अधिक नशीले कैप्सूल मिले थे। जांच के बाद केस बिंदायका थाना पुलिस को सौंपा गया। डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा के अनुसार, आरोपियों से पूछताछ के दौरान एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने साइबर यूनिट की मदद से आरोपियों की कॉल डिटेल (सीडीआर) निकाली।

कैदी से जुड़ा नशे का नेटवर्क सीडीआर जांच में सामने आया कि आरोपी अंकुश अग्रवाल लगातार कैदी गोगराज गढ़वाल के संपर्क में था। गोगराज जयपुर सेंट्रल जेल में पॉक्सो मामले में बंद है। इसके बाद पुलिस ने उसे प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर पूछताछ की। पूछताछ में गोगराज ने खुलासा किया कि उसे जेल के भीतर नशीली दवाएं पहुंचाने का काम नर्सिंग ऑफिसर राजकुमार करता था। पुलिस को जब राजकुमार की भूमिका का पता चला तो उसने भागने की कोशिश की, लेकिन बिंदायका थाना पुलिस ने मंगलवार को उसे दबोच लिया। राजकुमार पुत्र रामचंद्र जाट निवासी गांव कमाण, थाना राजगढ़ (जिला चूरू) का रहने वाला है। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

सोना हड़पकर फरार हुआ कारीगर पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार, पुलिस ने 14 लाख का सोना-चांदी और नकद बरामद किया



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। भीमगंज थाना पुलिस ने सर्राफा व्यापारियों से गहने बनाने के नाम पर करीब 14 लाख रुपए का सोना हड़पकर फरार हुए आरोपी कारीगर को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोना, चांदी और नकद राशि बरामद की है।

यह था मामला

एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि 25 सितंबर को योगेश सोनी निवासी नागौरी मोहल्ला सहित अन्य सर्राफा व्यापारियों ने भीमगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उन्होंने बहाला क्षेत्र में रहने वाले बंगाली कारीगर चंदन क्षेत्रपाल को समय-समय पर शुद्ध सोना गहने बनाने के लिए दिया था, लेकिन आरोपी सोना लेकर फरार हो गया। पश्चिम बंगाल से दबोचा आरोपी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी की तलाश में टीम पश्चिम बंगाल भेजी गई। वहां से आरोपी चंदन क्षेत्रपाल (33) पुत्र वैद्यनाथ क्षेत्रपाल निवासी महेशपुर, बर्द्धमान, पश्चिम बंगाल (वर्तमान में बहाला, बड़े मंदिर के पीछे निवासी) को डिटेन किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया और बताया कि उसने व्यापारियों से सोना लेकर फरारी काट ली थी। सोना-चांदी और नकदी बरामद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 126.9 ग्राम सोना, 58.870 ग्राम चांदी और 1 लाख 51 हजार 21 रुपए नकद बरामद किए। आरोपी को गिरफ्तार कर भीलवाड़ा लाया गया है, जहां उससे आगे की पूछताछ जारी है।

बोनट में छिपाकर लाई जा रही शराब की दो लग्जरी कारें जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर, 8 अक्टूबर। डूंगरपुर जिले की धंबोला थाना पुलिस ने ऑपरेशन स्वच्छता के तहत बुधवार को अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने थाने के बाहर नाकेबंदी के दौरान शराब से भरी दो लग्जरी कारों को जब्त किया है। दोनों कारों के बोनट में छिपाकर रखी गई 140 बोतल शराब बरामद की गई, जबकि तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान खान ने बताया कि पुलिस द्वारा अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन स्वच्छता के तहत यह कार्रवाई की गई। मुखबिर से सूचना मिली थी कि सागवाड़ा से सीमलवाड़ा होकर गुजरात की ओर शराब तस्करी की जा रही है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने थाने के बाहर नाकेबंदी की। इस दौरान दो लग्जरी कारें आगे-पीछे आती हुई दिखाई दीं। पुलिस ने दोनों को रोककर तलाशी ली, तो कारों के बोनट में शराब छिपाई हुई पाई गई। एक कार से 69 बोतल और दूसरी से 71 बोतल शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से उदयपुर निवासी विजय सिंह, डूंगरपुर जिले के बांदेला निवासी सुभाष चंद्र लबाना, और निठाउवा निवासी दिलीप लबाना को गिरफ्तार किया है। तीनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की पूछताछ जारी है। थानाधिकारी खान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से यह पता लगाया जा रहा है कि शराब कहां से खरीदी गई थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था। पुलिस ने दोनों कारों को जब्त कर अवैध शराब नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी शुरू कर दी है।

सोना-चांदी के भावों में लगातार तेजी, छह दिन में सोना 4,500 और चांदी 6,000 रुपए उछली



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं की मजबूती और डॉलर में गिरावट के चलते स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना और चांदी दोनों के भावों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। उदयपुर सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार पिछले छह दिनों में सोने के भाव में करीब 4,500 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी में 6,000 रुपए प्रति किलोग्राम की उछाल दर्ज की गई है। 2 अक्टूबर को सोना स्टैंडर्ड 1,21,500 प्रति 10 ग्राम था, जो बढ़कर 8 अक्टूबर को 1,26,000 तक पहुंच गया। यानी मात्र छह दिनों में 3.7 प्रतिशत की तेजी दर्ज हुई। सोना जेवराती इसी अवधि में 1,16,640 से बढ़कर 1,20,960 और 22 कैरेट सोना 1,11,780 से बढ़कर 1,15,920 रुपए पर पहुंच गया। इस प्रकार सोना जेवराती में 4,320 और 22 कैरेट सोने में 4,140 रुपए की वृद्धि दर्ज हुई।

सर्राफा व्यापारियों का कहना है कि यह तेजी अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड की मजबूती, डॉलर की कमजोरी और त्योहारी सीजन से पहले घरेलू मांग में वृद्धि के चलते आई है। नवरात्र और दिवाली से पहले गहनों की खरीदारी बढ़ने से बाजार में सोने की खपत में लगातार इजाफा हो रहा है।

चांदी के भावों में भी इसी अवधि में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। 2 अक्टूबर को चांदी टंच 1,51,600 प्रति किलोग्राम थी, जो 8 अक्टूबर को बढ़कर 1,57,700 तक पहुंच गई। यानी केवल छह दिनों में 6,100 रुपए की वृद्धि यानी लगभग 4 प्रतिशत की तेजी रही। चांदी चौरसा भी इसी अवधि में 1,50,500 से बढ़कर 1,56,500 तक पहुंची।

व्यापारियों के अनुसार, औद्योगिक मांग में बढ़ोतरी और निवेशकों के सुरक्षित निवेश की ओर रुझान से चांदी के भावों में मजबूती बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर इंडेक्स में गिरावट और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमी से सोने-चांदी की कीमतों में तेजी का वैश्विक प्रभाव दिखाई दे रहा है।

तेजी के प्रमुख कारण

डॉलर में कमजोरी, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता ने सोने को फिर से एक सुरक्षित निवेश विकल्प बना दिया है। वहीं, घरेलू स्तर पर त्योहारी और विवाह सीजन की शुरुआत से मांग में तेजी आई है, जिससे सोना-चांदी के बाजारों में उत्साह का माहौल है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि डॉलर और ब्याज दरों में नरमी जारी रही, तो आने वाले दिनों में सोना 1,27,000 और चांदी 1,60,000 प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है। हालांकि कुछ विश्लेषकों का अनुमान है कि तेज उछाल के बाद अगले सप्ताह हल्की मुनाफावसूली भी देखने को मिल सकती है।

फतहपुरा चौराहे पर हाईरिजोल्यूशन कैमरे और सेंसर टेस्टिंग, देबारी शराब दुकान शिफ्टिंग सहित सड़क सुरक्षा के लिए जिला समिति ने दिए निर्देश



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक बुधवार को जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट मिनी सभागार में हुई। बैठक में शहर और जिले भर में सड़क सुरक्षा सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक की शुरुआत में सदस्य सचिव मुनीमचंद मीना ने पिछली बैठक की कार्यवाही और अनुपालन रिपोर्ट पेश की। इसमें देहली गेट पर प्रस्तावित हाईरिजोल्यूशन कैमरे और सेंसर सिस्टम को निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड के चलते फतहपुरा चौराहे पर परीक्षण हेतु लगाने पर चर्चा हुई। संबंधित एजेंसी ने टेस्टिंग के लिए लिखित स्वीकृति की आवश्यकता जताई और जिला कलक्टर ने युडीए को स्वीकृति देने के निर्देश दिए। बैठक में देबारी पुलिया के पास स्थित शराब की दुकान के कारण हाईवे पर वाहन ठहरने से होने वाली दुर्घटनाओं पर भी विचार किया गया। कलक्टर ने आबकारी विभाग को दुकान को पीछे शिफ्ट करने और पार्किंग की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा, एलिवेटेड रोड निर्माण कार्य के दौरान मेवाड़ मोटर्स गली के सामने ट्रांसफॉर्मर से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए नगर निगम को ट्रांसफॉर्मर जल्द शिफ्ट करने के आदेश दिए गए। बैठक में वाल सिटी में ग्रीन मोबिलिटी जोन, नाईट फूड मार्केट, नो पार्किंग जोन, पेन्सिल डिवाइडर, पार्किंग जोन और वेडिंग जोन के सीमांकन सहित सड़क सुरक्षा से जुड़े कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा कर उन्हें रोकने के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

साथ ही, दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार की योजना के प्रचार-प्रसार और लाभ सुनिश्चित करने हेतु चिकित्सा विभाग को भी सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखमनराय राठौड़, उपाधीक्षक यातायात अशोक आंजना, युडीए के अधीक्षण अभियंता अनित माथूर, नगर निगम के अधीक्षण अभियंता मुकेश पुजारी, जिला परिवहन अधिकारी नितिनप्रकाश बोहरा और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया अकाउंटिंग कॉन्फ्रेंस 12-13 को, 900 से अधिक लेखांकन शिक्षाविद् होंगे शामिल, राज्यपाल करेंगे उद्घाटन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। भारतीय लेखांकन परिषद उदयपुर शाखा एवं जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी) के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 12 और 13 अक्टूबर को ऑल इंडिया अकाउंटिंग कॉन्फ्रेंस एवं इंटरनेशनल सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व बुधवार को कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत की अध्यक्षता में कुलपति सचिवालय में तैयारियों की समीक्षा बैठक हुई।

प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि डीम्ड विश्वविद्यालय में इस तरह का आयोजन पहली बार हो रहा है।

सेमिनार का शुभारंभ रविवार, 12 अक्टूबर को प्रातः 10:30 बजे विद्यापीठ के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर, डबोक के सभागार में किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि राजस्थान सरकार की राज्य मंत्री (लोक निर्माण, महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता) डॉ. मंजू बाघमार रहेंगी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. गौरव वल्लभ होंगे तथा अध्यक्षता गोविंद गुरु जनजाति विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के कुलपति प्रो. के.एस. ठाकुर करेंगे। दो दिवसीय इस सम्मेलन में देश-विदेश के 900 से अधिक लेखांकन शिक्षाविद् और शोधार्थी भाग लेंगे। प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विभिन्न समितियों का गठन कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

आगंतुकों के ठहरने के लिए शहर की विभिन्न होटलों में आवास की व्यवस्था की गई है।

आयोजन सचिव एवं भारतीय लेखांकन परिषद के सचिव प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने बताया कि प्रतिनिधियों का आगमन शनिवार से शुरू होगा।

सम्मेलन के दौरान प्रतिदिन पाँच तकनीकी सत्र आयोजित होंगे, जिनमें विभिन्न शोध-पत्रों का वाचन किया जाएगा। श्रेष्ठ शोध-पत्रों को सम्मानित भी किया जाएगा। सेमिनार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन अकाउंटिंग, अर्निंग मैनेजमेंट, इंटरनेशनल टैक्सेशन सहित कई समसामयिक विषयों पर गहन चर्चा होगी। बैठक में परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन, डॉ. शिल्पा लोढ़ा, प्रो. आई.जे. माथुर, डॉ. अभय कुमार जारौली, डॉ. युवराज सिंह राठौड़, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. अमी राठौड़, डॉ. सुनिता मुर्डिया, डॉ. रचना राठौड़, डॉ. अजिता रानी, डॉ. नवीन विश्नोई, डॉ. नवल सिंह राजपूत, डॉ. शाहिद कुरैशी, डॉ. दिनेश श्रीमाली, डॉ. प्रदीप शक्तावत, डॉ. पंकज रावल, कृष्णकांत कुमावत, डॉ. ललित श्रीमाली, डॉ. नरदेव सिंह, डॉ. मधु मुर्डिया, डॉ. हिम्मत सिंह चुंडावत, डॉ. जयसिंह जोधा, डॉ. हरीश मेनारिया, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. नारायण सिंह राव सहित अनेक शिक्षाविद् व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान विद्यापीठ में छात्रों के लिए आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस पर विशेष सेमिनार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में चल रहे दिक्षारंभद्2025 (स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम) के ग्यारहवें दिन आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) पर विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का शुभारंभ विभाग की निदेशक प्रो. मंजू माण्डोत ने किया। उन्होंने मुख्य अतिथि और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए ए.आई. तकनीक की प्रासंगिकता और इसके शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और दैनिक जीवन में बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि श्री अजय सिंह सोलंकी, आइमर्स एआई विशेषज्ञ ने छात्रों को आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस से परिचित कराया। उन्होंने सैद्धांतिक अवधारणाओं के साथ लाइव डेमो के जरिए बताया कि कैसे ए.आई. नवाचार और उद्योग में क्रांति ला रहा है। श्री सोलंकी ने छात्रों से आग्रह किया कि वे नवीनतम तकनीकों को सीखकर अपने करियर को सशक्त बनाएं। संकाय सदस्य डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. भारत सिंह देवड़ा, डॉ. गौरव गर्ग, डॉ. प्रदीप सिंह शक्तावत, डॉ. भरत सुखवाल, डॉ. दिलीप चौधरी, साथ ही अन्य शिक्षण व गैर-शिक्षण स्टाफ उपस्थित रहे।

वरसिंगपुर मे शरद पूर्णिमा पर देर रात तक खनके डांडिया

24 न्यूज अपडेट



सागवाडा (जयदीप जोशी)। नगर के निकट्वर्ती वरसिंगपुर में आजाद मित्र मण्डल के तत्वाधान मे शरद पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन हुआ जिसमें ग्रामीणों ने देर रात तक डांडिया रास मे भाग लिया गरबो के बीच मे शानदार आतिशबाजी कार्यक्रम आयोजित हुआ। शरद पूर्णिमा पर मंगलवार रात को गांव के आजाद मित्र मंडल के तत्वाधान मे भव्य गरबा रास का आयोजन किया गया आयोजन के दौरान गगन भेंदी आवाजो के साथ आतिशबाजी की गई जो एक मनमोहक दृश्य रहा। गरबा रास वागड की महशुर गरबा गायिका हिनल जोशी नन्दोड, मानसिंह भीमदडी ने गरबो की प्रस्तुति दी राजकमल गुरप सागवाडा के कीबोर्ड पर भावेश और ओक्टोपेड पर पंकज ढोली ने भी अपनी शानदार कलाकारी दिखाई। अन्त में महाआरती का लाभ गांव के युवा जयेश त्रिवेदी, ऋतिक त्रिवेदी, मिथुन त्रिवेदी, रौनक कलाल, भिनेश कलाल के द्वारा लाभ लिया एवं माताजी की फूलमाला का लाभ मंडळ के अध्यक्ष हितेश पाटीदार ने लिया। गरबा रास के बाद पूर्णिमा के चॉद की चॉदनी रौशनी में 220 लीटर खीर बनाई गई जो मेहमानो और ग्रामीणों मे वितरण किया गया। रात भर डांडिया खेल का संचालन जयेश पाटीदार ने किया। गरबा व्यवस्था मे सहयोग के रूप मे मण्डल के ट्रस्टी मनोज त्रिवेदी, कमलेश सेवक, नीलेश पाटीदार, रतनजी पाटीदार, रतनलाल त्रिवेदी, उमियाशंकर सेवक, देवीलाल पाटीदार, जीतेन्द्र कलाल, नरेन्द्रपुरी गोस्वामी, हितेश कलाल, ईश्वरलाल त्रिवेदी, हेमंत त्रिवेदी, राजेश पाटीदार, धनेश्वर पाटीदार आदि ने सहयोग प्रदान किया। गरबा रास में सागवाडा,आरा,पा डवा,सरोदा,वरसिंगपुर,मावित,भीमदडी,गोवाडी सहित आस-पास गांवो ने लोगो ने भाग लिया तथा गरबा आनंद प्राप्त किया।

उदयपुर के डॉ. भूपेंद्र आर्य ने दूसरी पीएचडी करके रचा इतिहास

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय डॉ. भूपेंद्र आर्य ने अपनी दूसरी पीएचडी उपाधि प्राप्त करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली हैL डॉ. भूपेंद्र आर्य ने प्रो. सुरेन्द्र कुमार कटारिया के निर्देशन में राजस्थान में उच्च शिक्षा में कार्य निष्पादन "मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय,उदयपुर और राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय,उदयपुर के तुलनात्मक और प्रशासनिक अध्ययन विषय पर अपना शोध कार्य पूरा किया है, और इस उपलब्धि के साथ ही मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय से दो पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले एक मात्र शोधार्थी होने का गौरव भी हासिल कर लिया है, इससे पहले डॉ. भूपेंद्र आर्य राजनीति विज्ञान में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं, और अब लोक प्रशासन विषय में दूसरी पीएचडी की उपाधि प्राप्त करके डॉ. भूपेंद्र आर्य ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है क्योंकि इससे पहले भुपेन्द्र 6 अलग-अलग विषयों में राष्ट्रीय स्तर की कठिन परीक्षा यूजीसी नेट और राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन विषय में UGC-JRF की पात्रता हासिल कर चुके है ।



डॉ. भूपेंद्र आर्य ने राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, शिक्षा शास्त्र, ह्यूमन राइट्स एंड ड्यूटीज, इंटरनेशनल एरिया स्टडीज और इतिहास सहित कुल 6 विषयों में यूजीसी नेट की परीक्षा पास कर चुके है, इसके साथ ही डॉ. भुपेन्द्र अब तक 2 विषयों में ग्रेजुएट, 5 विषयों में पोस्ट ग्रेजुएट, 2 विषयों में पीएचडी 2 विषयों में पी.जी. डिप्लोमा, 4 विषयों में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र सहित कुल 15 उपाधियां हासिल कर चुके है । राष्ट्रीय स्तर के रिकॉर्ड की बात करे तो भारत में लगभग 20 व्यक्ति ही ऐसे है जो कि दो विषय में पीएचडी और चार से अधिक विषयों में स्नातकोत्तर की उपाधि और यूजीसी नेट परीक्षा प्राप्त कर चुके हैंL डॉ. भूपेंद्र आर्य एक अच्छे विद्यार्थी/शोधार्थी होने के साथ ही एक अच्छे खिलाड़ी भी रहे है विभिन्न अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में सुखाड़िया विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं । डॉ. भूपेंद्र आर्य C सर्टिफिकेट के साथ NCC ने सीनियर अंडर ऑफिसर भी रहे चुके है और अंतर महाविद्यालय हैंडबाल प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिताब से सम्मानित हो चुके है तथा सॉफ्टबॉल, बास्केटबॉल, क्रोस - कन्ट्री, एथेलेटिक्स और हॉकी खेल स्पर्धाओं में की अंतर महाविद्यालयी प्रतियोगिता में विभिन्न पदक जीत चुके हैं । डॉ भूपेंद्र मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की UGC/MLSU स्टूडेंट ग्रीवेंस रेअड्रेसेअल कमिटी के विशेष आमंत्रिक सदस्य और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में चयनकर्ता भी रह चुके है ।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।